रेशम बनेगा यूपी की पहचान नवाचार को मिलेगा बढ़ावा

अमर उजाला ब्यूरो

रेशम निदेशालय ने की पं. दीन दयाल उपाध्याय रेशम रत्न सम्मान की घोषणा

लखनऊ। खादी के साथ रेशम को यूपी की पहचान के रूप में विकसित किया जाएगा। प्रदेश के रेशम उत्पादों की धूम विदेशों तक जाएगी। पहली बार इनोवेटिव और डिजायनर उत्पादों और रेशम बनाने वालों को मुख्यमंत्री रेशम रत्न सम्मान से सम्मानित करेंगे। भव्य आयोजन में अलग-अलग श्रेणी के 16 लाभार्थियों को पुरस्कृत किया जाएगा। निदेशक एवं विशेष सचिव रेशम सुनील कुमार वर्मा ने बताया कि इसके लिए आवेदन ऑफलाइन और ऑनलाइन 10 अक्तूबर तक रेशम निदेशालय लखनऊ को भेजे जा सकते हैं।

उन्होंने बताया कि खादी, रेशम व एमएसएमई मंत्री राकेश सचान से मंत्रणा के बाद यह निर्णय लिया गया है। इंटरनेशनल ट्रेड शो की सफलता के बाद नवंबर में लखनऊ में सिल्क शो की तैयारियां शुरू हो गई हैं। पहली बार कर्नाटक, असम, झारखंड, तमिलनाडु, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश की सभी किस्मों के रेशम को एक साथ देखा जा सकेगा। सुनील ने बताया कि पहली बार रेशम निदेशालय की ओर से 'पंडित दीन दयाल उपाध्याय रेशम रत्न सम्मान' की शुरुआत की जा रही है। सम्मान का उद्देश्य रेशम उत्पादन एवं व्यापार से जुड़े कृषकों, व्यापारियों, संस्थानों, डिजाइनर, एवं उद्यमियों को प्रोत्साहित कर नवाचार को बढ़ावा देना है ताकि रेशम उत्पादन एवं रेशम जनित उत्पादों में प्रदेश अग्रणी बन सके।

उन्होंने बताया कि रेशम को इनोवेटिव और डिजायनर बनाने पर खास फोकस किया जा रहा है। इसके लिए भी पहली बार अवॉर्ड श्रेणी रखी गई है। सीएम इस सम्मान को पांच नवंबर को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में देंगे। सम्मान आठ अलग-अलग श्रेणियों में दिए जाएंगे। हर श्रेणी में प्रथम पुरस्कार 50 हजार व द्वितीय पुरस्कार 25 हजार रुपये दिए जाएंगे।